by — Dr. Shailesh Kumar
Deptt. of Economics
Raja Singh College Siwan
23.5.20

सामाजिक लेखांकन एवं सामाजिक लेखांकन का महत्व :-
(Social accounting & its importance)

सामाजिक लेखांकन का अर्थ :-

अर्थशास्त्र में सामाजिक लेखांकन का समावेश सबसे पहले प्रमुख अर्थशास्त्री जे० आर० हिक्स ने सन 1942 ई० में किया था। इनके अनुसार इस शब्द का अर्थ समस्त समाज अथवा राष्ट्र के लेखांकन के अतिरिक्त कुछ नहीं है। ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार किसी लेखांकन किसी व्यक्तिगत फर्म का लेखांकन होता है। यह वह प्रणाली है जिसके द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के पारस्परिक संबंधों को सांख्यिकीय रूप में प्रस्तुत किया जाता है ताकि समस्त अर्थ व्यवस्था की आर्थिक स्थितियों को पूरी तरह समझा जा सके। यह आर्थिक ढाँचे की अध्ययन पद्धति है। यह किसी समाज की अतीत या वर्तमान की समृद्धि के बारे में जाना जाए।

"सामाजिक लेखांकन का संबंध मनुष्यों तथा मानव संस्थाओं की क्रियाओं का ऐसे तरीकों से सांख्यिकीय वर्गीकरण से है जिनसे समस्त अर्थ व्यवस्था के कार्यकरण को समझाने में सहायता मिलती है। पर आर्थिक लेखांकन शब्द में अध्ययनों के क्षेत्र के अन्तर्गत आर्थिक क्रिया का केवल वर्गीकरण ही नहीं आता, बल्कि इस प्रकार से एकत्रित की गई सूचना को आर्थिक प्रणाली के कार्यकरण की जाँच पड़ताल पर लागू करना भी आता है।"

सामाजिक लेखांकन का महत्व (Importance of Social accounting)

सामाजिक लेखांकन किसी अर्थव्यवस्था के ढाँचे और विभिन्न क्षेत्रों के सापेक्ष महत्व तथा सवाहों को समझने में सहायक है। यह वर्तमान और भविष्य — दोनों में सरकारी नीतियों के मूल्यांकन एवं निर्माण का साधन है।

1. लेन देनों के वर्गीकरण में (in classifying transaction)

किसी देश की आर्थिक क्रिया में असंख्य लेन-देन पाए जाते हैं जो क्रय विक्रय से, आय के भुगतान—

P.T.O

Scanned by CamScanner

तथा प्राप्ति से, निर्यात आयात व करों के भुगतान आदि से संबंध रखता है। सामाजिक लेखांकन का विशेष गुण यह है कि इन विभिन्न प्रकार के लेन-देनों का उचित वर्गीकरण कर इन्हें सारणी में प्रस्तुत करता है तथा इनसे राष्ट्रीय आय, व्यय, बचत, निवेश, उपभोग व्यय, विदेशों के भुगतान एवं प्राप्तियाँ आदि के समूह निकालता है।

14

(2) आर्थिक ढाँचे को समझने में सामाजिक लेखांकन केवल अर्थव्यवस्था के ढाँचे को स्पष्ट करता है अपितु उत्पादन उपभोग के आकार, करारोपण एवं बचत के स्तर तथा विदेशी व्यापार पर अर्थ व्यवस्था के बारे में भी जानकारी देता है।

(3) विभिन्न क्षेत्रों और प्रवाहों को समझने में (in understanding different Sector & flows) सामाजिक लेखे विभिन्न क्षेत्रों के सापेक्ष महत्व और अर्थव्यवस्था में प्रवाहों पर भी प्रकाश डालते हैं। इनमें हमें पता चलता है कि राष्ट्रीय लेखों में अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा उत्पादन क्षेत्र, उपभोग क्षेत्र, निवेश क्षेत्र अथवा शेष विश्व क्षेत्र का योगदान अधिक है या नहीं।

(4) विभिन्न धारणाओं में संबंधों को स्पष्ट करने हेतु — in clearifying relations between different Concept) सामाजिक लेखे ऐसी संबंध धारणाओं के बीच संबंधों को स्पष्ट करने में भी सहायक होते हैं जैसे कि साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन तथा बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद।

(5) अन्वेषक का मार्गदर्शन करने में (in guiding the investigator) सामाजिक लेखे आर्थिक अन्वेषक का मार्गदर्शन भी करते हैं क्योंकि वे यह बताते हैं कि अर्थव्यवस्था के व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए किस प्रकार के आँकड़े संग्रह किए जाएँ। इस तरह के आँकड़ों का संबंध सकल राष्ट्रीय उत्पाद, वस्तुओं तथा सेवाओं पर सरकारी व्यय, निजी उपभोग व्यय, सकल निजी निवेश आदि से हो सकता है।

(6) स्थिर कीमतों पर परिवर्तनों को समझने में (in explaining movement at constant price) सकल राष्ट्रीय उत्पाद में होने वाले परिवर्तन, जो स्थिर कीमतों पर होते और जनसंख्या की प्रति व्यक्ति आय में व्यक्त किए जाते हैं। इनको दर्शाते हैं जो जीवन स्तर

P.T.O.

Scanned by CamScanner

में होते हैं। इसी प्रकार स्थिर कीमतों पर मूल्यांकित सकल राष्ट्रीय उत्पाद को प्रति व्यक्ति कार्यकारी जनसंख्या से संबद्ध कर के उत्पादन के स्तर में होने वाले परिवर्तनों को मापा जाता है।

(7) आय वितरण प्रवृत्तियों को समझने में (in explaining trends in income distribution) सामाजिक लेखों के घटकों में होने वाले परिवर्तन व्यवस्था के भीतर आय वितरण की प्रवृत्तियों को समझने में।

(8) अर्थव्यवस्था के कार्यकरण का चित्र (a picture of the working of the economy) सामाजिक लेखे अर्थव्यवस्था के कार्यकरण का वास्तविक चित्र प्रदान करते हैं। "भविष्य में अर्थव्यवस्था के सम्भावित परिणामों के प्रत्याशित पूर्वानुमान तैयार तैयार करने के लिए भी ढाँचे के रूप में इसका प्रयोग किया जा सकता है।

(9) विभिन्न क्षेत्रों के परस्पर संबंधों को समझाने में (in explaining inter relations among different sector) सामाजिक लेखे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की परस्पर निर्भरता को समझने की भी क्षमता प्रदान करते हैं। सामाजिक लेखों के आधार का अध्ययन करने से इस बात का ज्ञान होता है।

(10) सरकारी नीतियों के प्रभावों का अनुमान लगाने में (in estimating the effects of government policies) सामाजिक लेखों का सबसे अधिक महत्व यह है कि वे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर, सरकारी नीतियों के प्रभावों का अनुमान लगाते हैं और राष्ट्रीय आय लेखे अर्थव्यवस्था में होने वाले जिन परिवर्तनों को प्रकट करते हैं, उन परिवर्तनों के अनुरूप नई नीतियाँ निर्धारित करने में सहायक होते हैं।

(11) बड़े व्यापारी संगठनों में सहायक (helpful in big business organisations) बड़े-बड़े व्यापार संगठन सामाजिक लेखों का इसलिए भी उपयोग करते हैं कि अपने कार्य को आँके और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में प्राप्त सांख्यिकीय सूचना के आधार पर अपनी प्रत्याशाओं में सुधार करें।

P.T.O

Scanned by CamScanner

(12) अन्तर्राष्ट्रीय उद्देश्यों में लाभदायक useful for international purposes) सामाजिक लेखांकन अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टि से भी उपयोगी है। विश्व के विभिन्न देशों के सामाजिक लेखों का तुलनात्मक अध्ययन कर के हम उन देशों का अल्पविकसित, कम विकसित तथा विकसित श्रेणियों के अन्तर्गत वर्गीकरण कर सकते हैं।

(13) आर्थिक मॉडलों का आधार (basis of economic model) सामाजिक लेखे, "सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए आर्थिक पूर्वानुमानों के लिए तथा आर्थिक नीति-की समस्याओं को सुलझाने के लिए अपेक्षित मॉडलों का आधार है।"

Scanned by CamScanner